Request for cap reduction of 1509 Basmati Rice

श्री गुरजीत सिंह औजला **(**अमृतसर**) :** सभापति महोदया, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया ।

महोदया, हमारे क्षेत्र में बासमती चावल की फसल बहुत होती है । बासमती चावल के एक्सपोर्ट का जो काम है, उस पर सरकार ने पिछली बार 1,200 डॉलर्स प्रति टन की कैप लगा दी थी । उसके विरोध के बाद उस कैप को 950 डॉलर्स प्रति टन कर दिया गया ।

हमारे क्षेत्र में बासमती चावल की किस्में 1509, 1121, 1718 उगाई जाती हैं । जो बासमती चावल है, वह पूरे वर्ल्ड में इंडिया या पाकिस्तान में ही होता है । लेकिन इसके रेट ज्यादा होने की वजह से अब 1509 बासमती चावल का ऑर्डर हमारे एक्सपोर्टर को नहीं मिल रहा है । यह मिडिल ईस्ट को एक्सपोर्ट होता है । सारा ऑर्डर पाकिस्तान को मिल गया है ।

मेरी सरकार से इसके लिए दरख्वास्त है । सरकार कहती है कि हमें किसानों की आमदनी दोगुनी करनी है । किसान की फसल अब पककर तैयार है, लेकिन 1509 बासमती चावल का ऑर्डर नहीं मिल रहा है । सरकार उसका कैप कम करे । पाकिस्तान में 700 डॉलर्स की कैप है, उससे कम होना चाहिए, ताकि हमारा किसान भी बच सके और हमारा व्यापारी भी बच सके ।

मैं इसके लिए सरकार का धन्यवाद करता हूँ ।